भा.कृ.अ.प.- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान

ICAR-INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE

क्षेत्रीय केन्द्र (खाधान एव उधान), अमरतारा काटेज, शिमला-171004

REGIONAL STATION (CEREALS AND HORTICULTURE CROPS)AMARTARA COTTAGE, SHIMLA-171004

Phone No. 0177-2655305/ 2808766

प्रैस रिपोर्ट

भा.कृ.अ.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान , क्षेत्रीय केंद्र, शिमला के बागवानी शोध फार्म, ढांड़ा नजदीक टुटू, शिमला पर दिनांक 09.10.2020 को "शीतोष्ण फलों तथा गेहूं व जौ का वैज्ञानिक उत्पाद तकनीकी" विषय पर एक दिवसिय विषय पर अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतगर्त एक दिवसिय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत **डॉ. कल्लोल कुमार प्रामाणिक, अध्यक्ष,** क्षेत्रीय केंद्र द्दारा **मुख्य अतिथि श्री निशांत ठाकुर , सयुक्त सदस्य सचिव , हिमाचल प्रदेश विज्ञान , प्रद्योगिकी एवं पर्यावरण परिषद,** बेम्लोई, शिमला, **बिशिष्ट अतिथि, श्रीमती मीरा ठाकुर, प्रधान, चायली पंचायत**, डॉ. धर्म पाल वालिया, प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. ऐ.के. शुक्ला, प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. मधु पटियाल, वैज्ञानिक, डॉ. संतोष वाटपाडे, वैज्ञानिक, श्री जोगिंद्र सिंह, बी.ड़ी.सी. सदस्य चायली पंचायत व इस केंद्र मे कार्यरत सभी वर्गों कर्मचारियों तथा अनुसूचित जाति के किसान व बागवान भाई - बहिनों के साथ-साथ प्रैस व मिडिया के लोगों का इस कार्यक्रम मे शामिल होने के लिए आभार व्यक्त किया । डॉ. कल्लोल कुमार प्रामाणिक ने इस केंद्र मे चल रहे शोध कार्य से सबको लाभांवित होने के लिए आग्रह किया । उन्होनें शीतोष्ण फलों तथा गेहूं व जौ का वैज्ञानिक तरीके से खेती करके आय बढाने के लिये प्रेरित किया ताकि किसानों / बागवानों की आय 2022 तक दो गुणी हो जाये । इसके लिए उन्नत पौधे/ बीज/ मूलवृन्त लगाना चाहिए और बागीचों के प्रबंधन के उपर ध्यान देना चाहिए ताकी पोषण युक्त तथा अधिक से अधिक पैदावार की जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि इस परियोजना के पीछे सरकार का लक्ष्य यह है कि इस परियोजना के तहद अनुसूचित जाति के किसानों / बागवानों को फलों के पौधे , उनको बचाने हेतु शेडिंग नेट व रसायन, गार्डन टूल्ज आदि उपलब्ध करवाए गए । डॉ. कल्लोल कुमार प्रामाणिक ने **"पुसा खोर" अखरोट , पुसा सेब मुलब्रिंत-101 , पुसा अमरतारा प्राइड ब पुसा गोल्ड सेब के लिये , शिमला**

डेलिसियस ब जतोघ स्पेसल स्ट्रबेरी के लिये , एच.एस-507 , एच.एस-542 ब एच.एस-562 गेहूं के लिये , बि.एच.एस-380 ब बि.एच.एस-400 जौ के लिये किस्मे का जिगर किय! मुख्य अतिथि श्री निशांत ठाकुर ने बताया कि यदि इस तरह के सरकारी प्रोग्रामों को सही तरीके से लागू किया जाना चाहिये जो कि भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, शिमला ने कर दिखाया है । उन्होंने विज्ञान, प्रद्योगिकी एवं पर्यावरण के बारे में भी सुझाव दिये । उन्होनें इस शोध केंद्र से शीतोष्ण फलों तथा गेहूं व जौ की खेती करने का सूचना उपलब्ध करने की सलाह दी एबं प्रशिक्षण पुस्तिका की उन्मोचन किया । डॉ. धर्म पाल , प्रधान वैज्ञानिक ने गेहूं की अधिक पैदावार और उसकी वैज्ञानिक तरीके से कैसे देख रेख की जानी चाहिए जिससे की अधिक पैदावार की जा सके इसके बारे मे जानकारी दी । डॉ. अरूण कुमार शुक्ला, प्रधान वैज्ञानिक ने वैज्ञानिक तरीके से शीतोषण फलों के पौधों को सही तरीके से उगाने के बारे में प्रकाश ड़ाला । उन्होनें कांट छाट, जेविक व रसायनिक खाद के बारे में भी जानकारी दी । डॉ. मधु पटियाल, वैज्ञानिक ने जौ उत्पादन को वैज्ञानिक तकनीक पर आधारित तरीके से करने के बारे में बताया तथा अधिक से अधिक लाभ उठाने के सूझाव दिये । डॉ. संतोष वाटपाडे , वैज्ञानिक ने पौधों को बिमारियों, कीट पतंगों तथा अन्य खतरों से कैसे बचाया जाता है एवं कौन-2 सी दवाईयां तथा उनके उपयोग के बारे में जानकारी दी । श्रीमती मीरा ठाकुर, प्रधान, चायली पंचायत ने इस प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से अधिक से अधिक लाभ उठाने के सूझाव दिये ! इस प्रशिक्षण शिविर में 30 से अधिक पुरुष व महिला किसानों / बागवानों ने भाग लिया । किसानों को व्यवहारिक प्रशिक्षण इस केंद्र के तकनीकी स्टाफ द्दारा जैसे कि गड्डे बनना, खाद को मिलाना व कांट छाट के बारे मे दिया गया । अध्यक्ष, मुख्य अतिथि एबं बिशिष्ट अतिथि ने सभी प्रशिक्षक को प्रशिक्षण प्रमान पत्र एबं प्रशिक्षण पुस्तिका भी दिया ! इस कार्यक्रम डॉ. संतोष वाटपाडे, वैज्ञानिक की संचालन में किया गया । इस प्रशिक्षण शिविर का समापन डॉ. मधु पटियाल , वैज्ञानिक के धन्यवाद ज्ञापन के माध्यम से समाप्त हुआ ।

डॉ. कल्लोल कुमार प्रामाणिक

अध्यक्ष, क्षेत्रीय केंद्र, शिमला

'Pusa Khar'

भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय केन्द्र, अमरतारा कॉटेज, शिमला-171004
I.C.A.R. - INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE
Regional Station, Amartara Cottage, Shimla-171004
भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय केन्द्र (खाद्यान एवं उद्यान), अमतारा काटेज, शिमला-171004
"शीतोष्ण फलों तथा गेहूं व जौ का वैज्ञानिक उत्पादन तकनीक"
विषय पर अनुसूचित जाति उप-योजना के अंतर्गत

भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय केन्द्र, अमरतारा कॉटेज, शिमला-171004
I.C.A.R. - INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE
Regional Station, Amartara Cottage, Shimla-171004
भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय केन्द्र (खाद्यान एवं उद्यान), अमतारा काटेज, शिमला-171004
"शीतोष्ण फलों तथा गेहूं व जौ का वैज्ञानिक उत्पादन तकनीक"
विषय पर अनुसूचित जाति उप-योजना के अंतर्गत

भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय केन्द्र, अमरतारा कॉटेज, शिमला-171004
I.C.A.R. - INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE
Regional Station, Amartara Cottage, Shimla-171004
भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय केन्द्र (खाद्यान एवं उद्यान), अमरतारा कॉटेज, शिमला-171004
"शीतोष्ण फलों तथा गेहूं व जौ का वैज्ञानिक उत्पादन तकनीक"
विषय पर अनुसूचित जाति उप-योजना के अंतर्गत
2020

भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय केन्द्र, अमरतारा कॉटेज, शिमला-171004
I.C.A.R. - INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE
Regional Station, Amartara Cottage, Shimla-171004
एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर

ICAR-IARI,REGIONAL STATION(Cereal and Horticulture Crops), AMARTARA COTTAGE, SHIMLA-4

PRESS NOTE

One Day Farmer's Training Programme entitled " Improved Production Technology of Temperate Fruit Crops as well as Wheat and Barley Crops" was organized at ICAR-IARI,REGIONAL STATION, RESEARCH FARM, DHANDA NEAR TUTU on 9th OCTOBER,2020 under Scheduled Caste Sub-Plan (SCSP). The programme was started by **DR KALLOL KUMAR PRAMANICK, HEAD** in presence of **Chief Guest, MR NISHANT THAKUR**, Joint Member Secretary, HIMCOSTE, H.P., Shimla; **Special Guest, MRS MEERA THAKUR**, Pradhan, Chailley Panchayat; DR D.P.Walia, Principal Scientist, Dr A.K.Shukla, Principal Scientist; Dr Madhu Patial, Senior Scientist; Dr Santosh Watpade, Scientist, Mr Joginder Singh,BDC member, staff and above all the Scheduled Caste Orchardists / Farmers for which the training program was conducted. He heartily welcomed all including Press and Media also. Dr K.K.Pramanick encouraged the farmers to take benefit from this Research Station. Temperate Fruits as well as wheat and Barley production can be a profitable proposition by using quality planting materials/ seeds/rootstocks and proper orchard management for producing high yield and quality. He also emphasized about the SCSP program which helped the beneficiaries by providing inputs viz. planting materials, protecting / shading nets, plant protection chemicals, garden tools etc. The chief guest, Mr Nishant Thakur stated that this kind of program to be properly implemented and IARI Regional Station has proved it. He also given emphasis to utilize the latest development for improvement in Temperate Fruit Crops as well as wheat and barley crops from this station. He has thrown some activities related to HIMCOSTE, H,P,,Shimla. He released the Training manual which was distributed to the farmers. Dr D.P.Walia delivered talk on wheat production and varieties available at our station. Dr A.K.Shukla delivered talk on Production Techniques of Temperate Fruit crops particularly on Training and Pruning ,fertilizer application, soil testing aspects. Dr Madhu Patial emphasized on Scientific production of Barley crops and their utilization. Dr Santosh Watpade stated regarding plant protection measures to be taken for crop production. More than 30 farmers/ orchardists including women participated in this program. Practical training viz. Digging of Pits, Mixing of Fertilizers, Training-Pruning also provided by Technical staff of this station. Participation certificate and registration kit also provided to the farmers/orchardists. The Program was conducted by Dr Santosh Watpade and Vote of thanks was given by Dr Madhu Patial.

DR K.K.PRAMANICK, HEAD OF THE STATION

भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय केन्द्र, अमरतारा कॉटेज, शिमला-171004
I.C.A.R. - INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE
Regional Station, Amartara Cottage, Shimla-171004
भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय केन्द्र (खाद्यान एवं उद्यान), अमरतारा काटेज, शिमला-171004
"शीतोष्ण फलों तथा गेहूं व जौ का वैज्ञानिक उत्पादन तकनीक"
विषय पर अनुसूचित जाति उप-योजना के अंतर्गत
एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर
दिनांक: 09 अक्टूबर, 2020

भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय केन्द्र, अमरतारा कॉटेज, शिमला-171004
I.C.A.R. - INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE
Regional Station, Amartara Cottage, Shimla-171004
भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय केन्द्र (खाद्यान एवं उद्यान), अमरतारा काटेज, शिमला-171004
"शीतोष्ण फलों तथा गेहूं व जौ का वैज्ञानिक उत्पादन तकनीक"
विषय पर अनुसूचित जाति उप-योजना के अंतर्गत

भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय केन्द्र, अमरतारा कॉटेज, शिमला-171004
I.C.A.R. - INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE
Regional Station, Amartara Cottage, Shimla-171004
भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय केन्द्र (खाद्यान एवं उद्यान), अमरतारा कॉटेज, शिमला-171004
"शीतोष्ण फलों तथा गेहूं व जौ का वैज्ञानिक उत्पादन तकनीक"
विषय पर अनुसूचित जाति उप-योजना के अंतर्गत
एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर
दिनांक: 09 अक्टूबर, 2020

भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय केन्द्र, अमरतारा कॉटेज, शिमला-171004
I.C.A.R. - INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE
Regional Station, Amartara Cottage, Shimla-171004
भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय केन्द्र (खाद्यान एवं उद्यान), अमरतारा कॉटेज, शिमला-171004
"शीतोष्ण फलों तथा गेहूं व जौ का वैज्ञानिक उत्पादन तकनीक"